

## CLASS NOTES

Class: आठवीं

Topic: कार्यपत्रक 1

Subject: हिन्दी

3. दीवानों की हस्ती, 4. भगवान के डाकिए 5. क्या निराश हुआ जाए 6. यह सबसे कठिन समय नहीं

प्रश्न{1} निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

[ii] किस ओर चले! यह मत पूछो,  
चलना है, बस इसलिए चले,  
जग से उसका कुछ लिए चले,  
जग को अपना कुछ दिए चले |  
दो बात कही, दो बात सुनी,  
कुछ हँसे और फिर कुछ रोए |  
छककर सुख-दुःख के घुटों को  
हम एक भाव से पिए चले |

(क) मनमौजी व्यक्ति किस ओर चलता है ?

(ख) मनमौजी व्यक्ति संसार को क्या देता है ?

(ग) मनमौजी व्यक्ति कब रोता है ?

(घ) “छककर सुख-दुःख के----पिए चले |” का क्या अर्थ है ?

(ड.) सुख-दुःख में कौन-सा समास होगा ?

[iii] हम तो केवल यह आँकते हैं  
कि एक देश की धरती  
दूसरे देश को सुगंध भेजती है |  
और वह सौरभ हवा में तैरते हुए  
पक्षियों की पाँखों में तिरता है |  
और एक देश का भाप  
दूसरे देश में पानी  
बनकर गिरता है |

(क) देशों की धरती में क्या आदान-प्रदान होता है ?

(ख) पक्षी एक देश की सुगंध को दूसरे देश कैसे भेजते हैं ?

(ग) बादल किस प्रकार दो देशों के बीच की तुच्छ सीमा को झुठला देता है ?

(घ) पानी किससे बनता है ?

(ड.) काव्यांश द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहते हैं ?

[iii] अभी कहा जाता है  
उस कथा का आखिरी हिस्सा  
जो बूढ़ी नानी सुना रही सदियों से

<p>दुनिया के तमाम बच्चों को अभी आती है एक बस अंतरिक्ष के पार की दुनिया से लाएगी बचे लोगों की खबर ! नहीं, यह सबसे कठिन समय नहीं ।</p>
(क) बचे हुए लोगों की खबर कहाँ से आने वाली है ?
(ख) काव्यांश में वर्णित बस की क्या विशेषता है ?
(ग) सदियों से कौन-सा काम हो रहा है ?
(घ) नानी की कहानी के विषय में क्या-क्या बातें बताई गई हैं ?
(ङ.) बचे हुए लोग कहाँ रहते होंगे ?
प्रश्न{2} निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :
<p>ठगा भी गया हूँ, धोखा भी खाया है, परन्तु बहुत कम स्थलों पर विश्वासघात नाम की चीज़ मिलती है । केवल उन्हीं बातों का हिसाब रखो, जिनमें धोखा खाया है, तो जीवन कष्टकर हो जाएगा, परन्तु ऐसी घटनाएँ भी बहुत कम नहीं हैं, जब लोगों ने अकारण सहायता की है, निराश मन को ढाढ़स दिया है और हिम्मत बँधाई है । कविवर रवींद्रनाथ ठाकुर ने अपने प्रार्थना गीत में भगवान से प्रार्थना की थी कि संसार में केवल नुकसान ही उठाना पड़े, धोखा ही खाना पड़े तो ऐसे अवसरों पर भी हे प्रभु! मुझे ऐसी शक्ति दो कि मैं तुम्हारे ऊपर संदेह न करूँ । मनुष्य की बनाई विधियाँ गलत नतीजे तक पहुँच रही हैं, तो इन्हें बदलना होगा । वस्तुतः आए दिन इन्हें बदला ही जा रहा है, लेकिन अब भी आशा की ज्योति बुझी नहीं है । महान् भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी हुई है और बनी रहेगी ।</p>
(क) मनुष्य की बनाई विधियों को बदलना होगा, क्यों ?
(ख) जीवन कब कष्टकर हो जाता है ?
(ग) धोखा और ठगी के बावजूद लेखक का किस प्रकार की घटनाओं से सामना हुआ है ?
(घ) रवींद्रनाथ ठाकुर ने अपने प्रार्थना गीत में क्या प्रार्थना की है ?
(ङ.) किसको पाने की संभावना बनी हुई है ?
प्रश्न{3} प्रश्नों के उत्तर लिखिए :
(क) “निराश होने की जरूरत नहीं है ।” लेखक अपने इस कथन से क्या संदेश देना चाहते हैं ?
(ख) यह सबसे कठिन समय है या नहीं । इसके पक्ष-विपक्ष में अपने विचार लिखिए ।
(ग) ‘भगवान के डाकिए’ कविता के आधार पर ईश्वर के संदेश को बताइए और स्पष्ट कीजिए ।
(घ) कविता ‘दीवानों की हस्ती’ में दीवाने कौन है ?
प्रश्न{4} सही विकल्प का चयन कीजिए :
(क) कवि भगवतीचरण वर्मा ने समान भाव से क्या किया
[i] सुख-दुःख सहे हैं      [ii] लेन-देन किया है      [iii] हँसा-रोया है      [iv] चलता रहा है
(ख) कवि भगवतीचरण वर्मा किस प्रकार चलते रहे हैं ?
[i] जग में      [ii] अनजान रास्तों पर      [iii] कोई मंजिल नहीं      [iv] मनमौजी की तरह
(ग) मस्तमौला प्रकार के मनुष्य किसको सब कुछ देकर जाते हैं ?
[i] हँसने वालों को      [ii] अपनों को      [iii] दुनिया को      [iv] किसी को नहीं

